तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 35/2018)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 23 मार्च, 2018

(www.trai.gov.in)

31 जनवरी, 2018 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य बातें

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1151.94**	**23.07**	**1175.01**
जनवरी, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-15.50	-0.17	-15.66
मासिक वृद्धि दर	-1.33%	-0.71%	-1.32%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**652.85**	**19.69**	**672.54**
जनवरी, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-15.59	-0.12	-15.71
मासिक वृद्धि दर	-2.33%	-0.63%	-2.28%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**499.09**	**3.38**	**502.47**
जनवरी, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.09	-0.04	0.05
मासिक वृद्धि दर	0.02%	-1.20%	0.01%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**88.83**	**1.78**	**90.61**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	159.39	4.81	164.19
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	56.25	0.38	56.63
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	56.67%	85.35%	57.24%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	43.33%	14.65%	42.76%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**360.23**	**17.87**	**378.10**

- जनवरी, 2018 के माह में 6.18 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से, दिसंबर, 2017 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 338.41 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2018 के अंत तक 344.59 मिलियन हो गया।

- जनवरी, 2018 के अंत तक सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1,012.57 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- दिसंबर, 2017 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,190.67 मिलियन से घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 1,175.01 हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 1.32 प्रतिशत दर्ज की गयी। दिसंबर, 2017 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 688. 25 मिलियन से घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 672.54 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 502.42 मिलियन से मामूली बढ़कर 502.47 मिलियन हो गई। जनवरी, 2018 के माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः –2.28 प्रतिशत तथा 0.01 प्रतिशत रही।

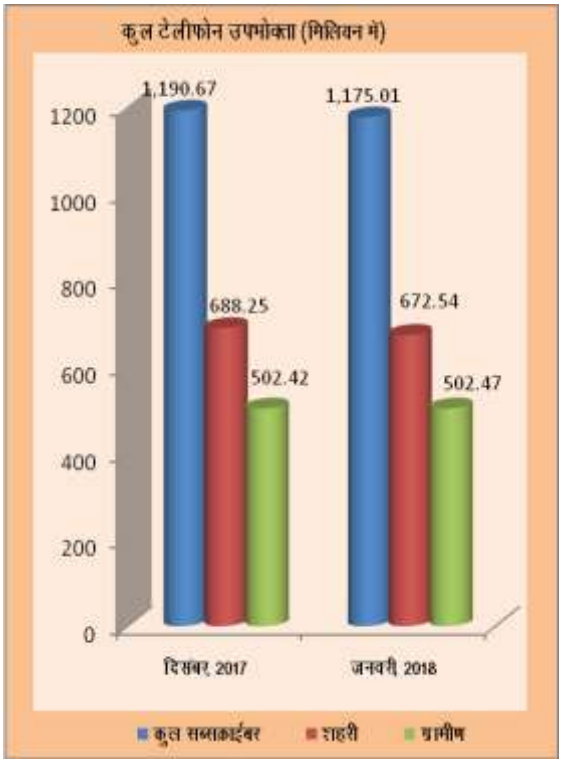

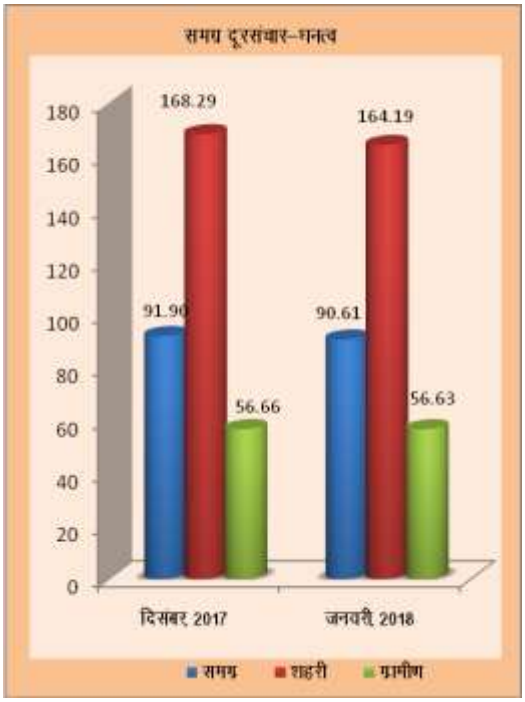

- दिसंबर, 2017 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 91.90 से घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 90.61 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2017 के अंत तक 168.29 से घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 164.19 हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी दिसंबर, 2017 के अंत तक 56.66 से घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 56.63 हो गया। जनवरी, 2018 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 57.24 प्रतिशत तथा 42.76 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 जनवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

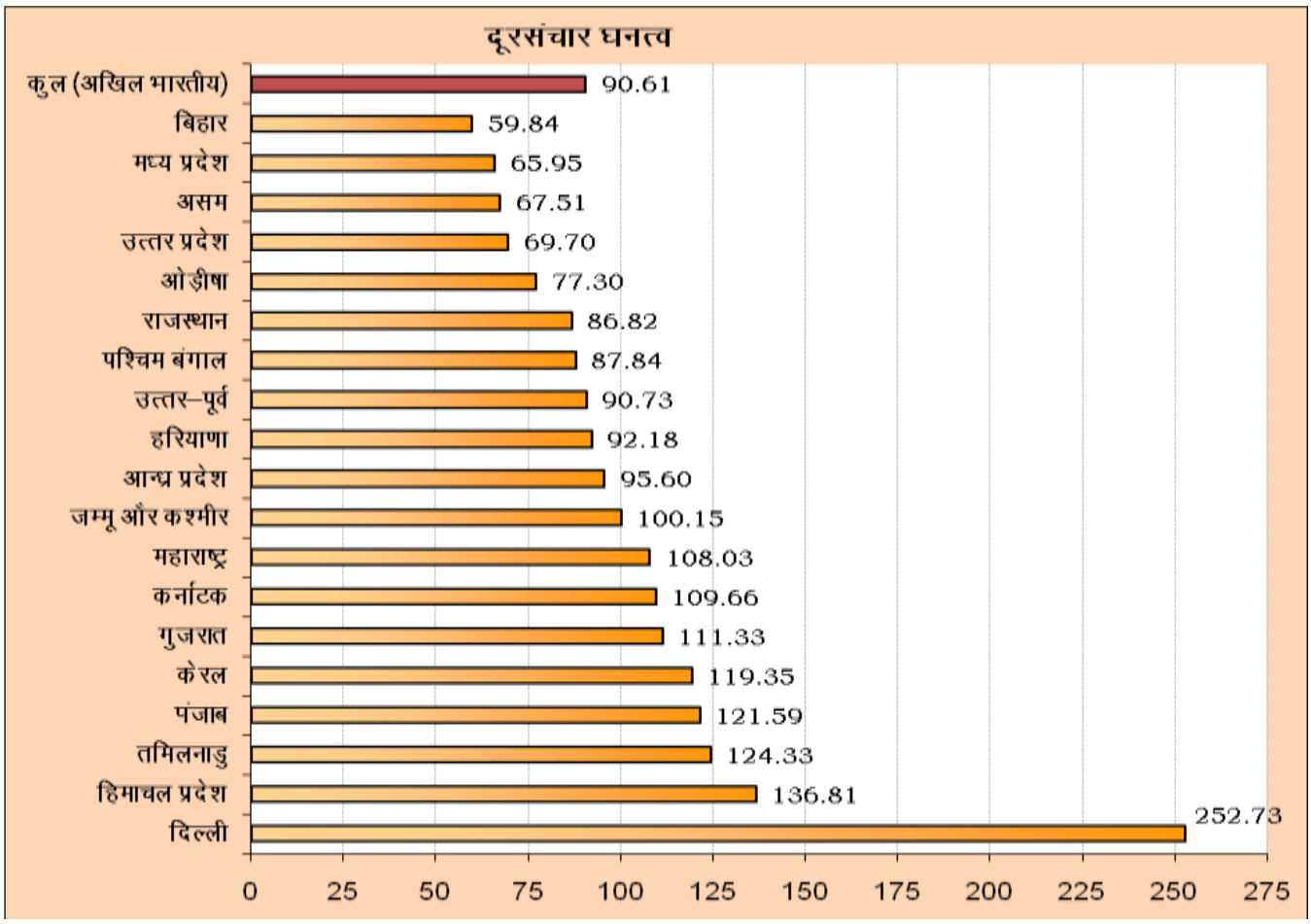

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

जनवरी, 2018 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	जनवरी, 2018 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 जनवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-82,853	287,623	9,130,677	402,807,909
श्रेणी – ख	-60,092	-7,050,246	5,851,857	457,501,011
श्रेणी – ग	-1,815	-3,234,808	1,041,705	174,184,785
महानगर	-20,647	-5,501,792	7,045,041	117,442,717
अखिल भारतीय	**-165,407**	**-15,499,223**	**23,069,280**	**1,151,936,422**

जनवरी, 2018 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (दिसंबर, 2017 से जनवरी, 2018 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी, 2017 से जनवरी, 2018 तक)	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-0.90	0.07	-4.81	0.01
श्रेणी – ख	-1.02	-1.52	-9.59	-0.28
श्रेणी – ग	-0.17	-1.82	-10.62	1.28
महानगर	-0.29	-4.48	-0.96	0.46
अखिल भारतीय	**-0.71**	**-1.33**	**-5.23**	**0.13**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि जनवरी, 2018 के दौरान वायरलैस क्षेत्र में, केवल श्रेणी 'क' के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर्ज की गई है। अन्य सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल मासिक कमी दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, जनवरी, 2018 के दौरान सभी श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है। इस दौरान श्रेणी 'क' के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता

- दिसंबर, 2017 के अंत तक कुल वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,167.44 मिलियन से घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 1,151.94 मिलियन हो गई तथा मासिक ह्रास दर 1.33 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2017 के अंत तक 668.44 मिलियन से घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 652.85 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 499.00 मिलियन से मामूली बढ़कर 499.09 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः –2.33 प्रतिशत तथा 0.02 प्रतिशत रही।

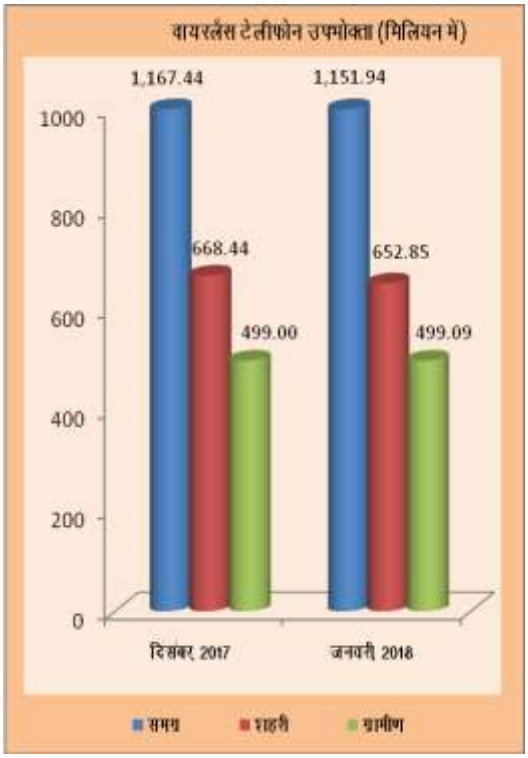

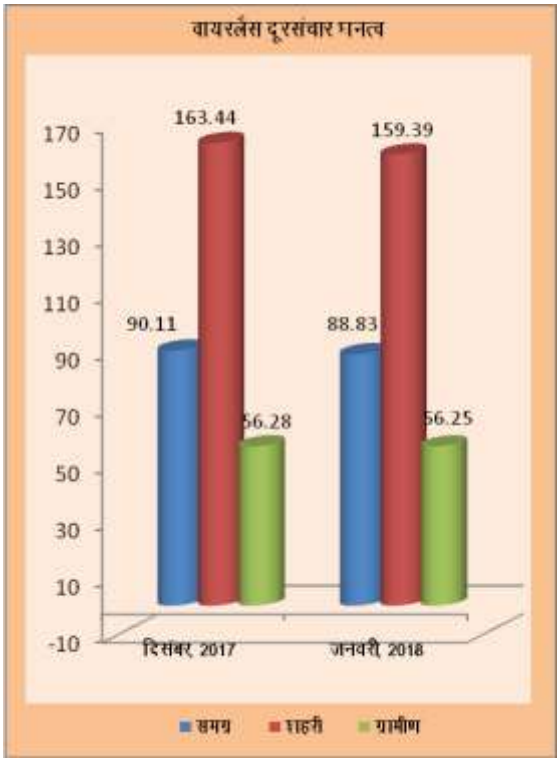

- दिसंबर, 2017 के अंत तक वायरलैस दूरसंचार घनत्व 90.11 से घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 88.83 हो गया। शहरी क्षेत्रों में जनवरी, 2018 के अंत में वायरलैस दूरसंचार घनत्व 163.44 से घटकर 159.39 हो गया, तथा इसी दौरान ग्रामीण वायरलैस दूरसंचार घनत्व भी 56.28 से घटकर 56.25 हो गया। जनवरी, 2018 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 57.67 प्रतिशत तथा 43.33 प्रतिशत थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 जनवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार, निजी टेलिफोन सेवा प्रदाताओं के पास वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का 90.29 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 9.71 प्रतिशत बाजार की हिस्सेदारी थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 जनवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

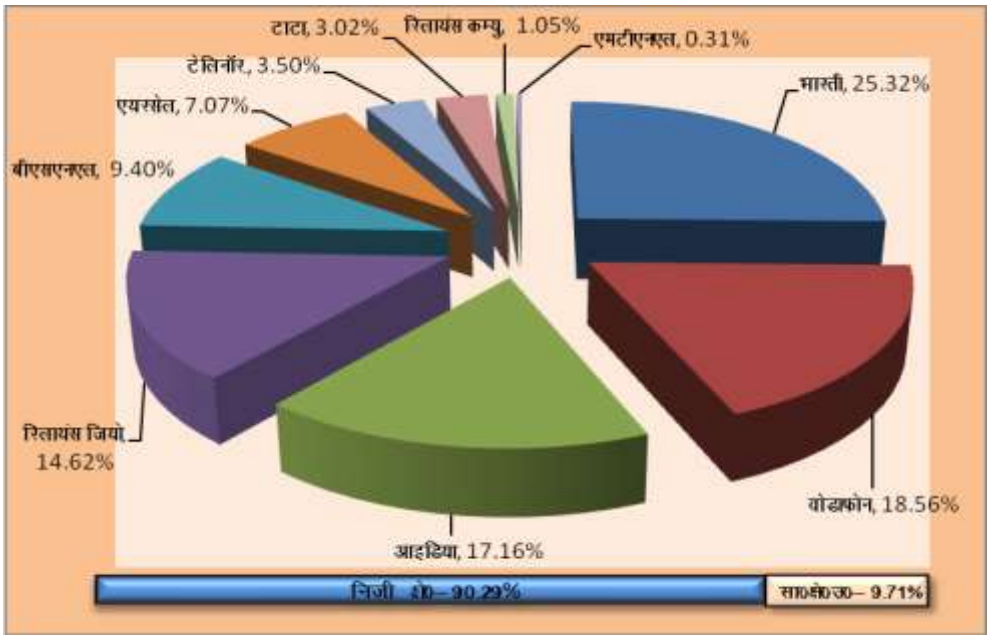

जनवरी, 2018 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

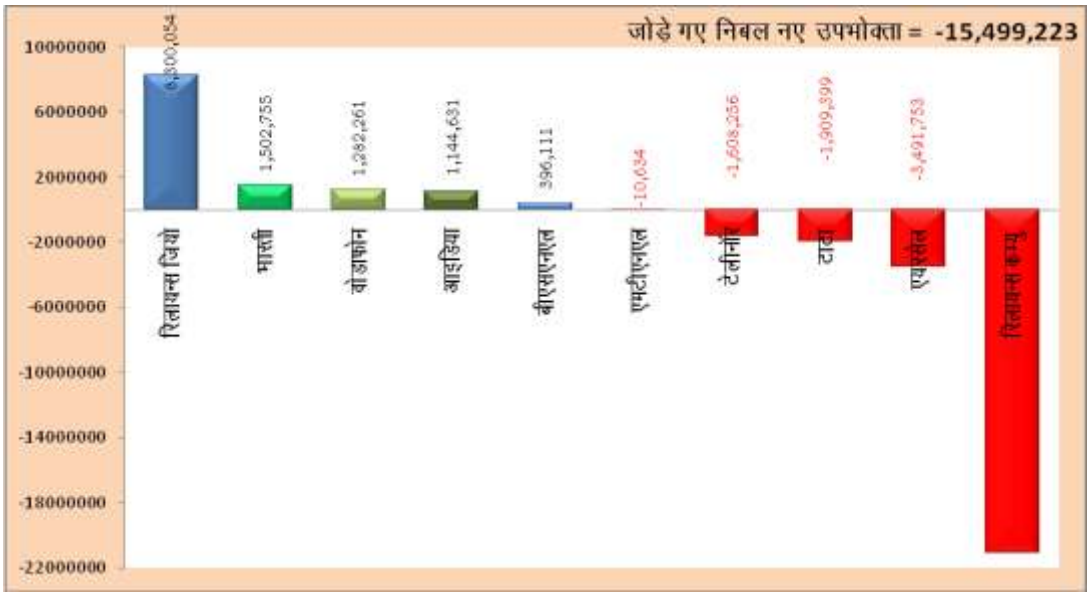

नोट – 1. ऐसा संज्ञान में आया कि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के द्वारा निष्क्रिय उपभोक्ताओं की संख्याओं को घटाकर शेष उपभोक्ताओं की संख्याओं को रिपोर्ट किया जाता था। प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 18.08.2017 को एक निर्देश जारी किया गया है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या का निर्धारण दूरसंचार विभाग के द्वारा दिये गये नियमों के अनुसार करना है तथा तदनुसार रिपोर्ट करनी है। हालांकि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अभी तक इसका अनुपालन नहीं किया है।

IV. सक्रिय वायरलैस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- जनवरी, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,151.94 मिलियन) में से 1,012.57 मिलियन वायरलैस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 87.90 प्रतिशत था।

- जनवरी, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

जनवरी, 2018 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

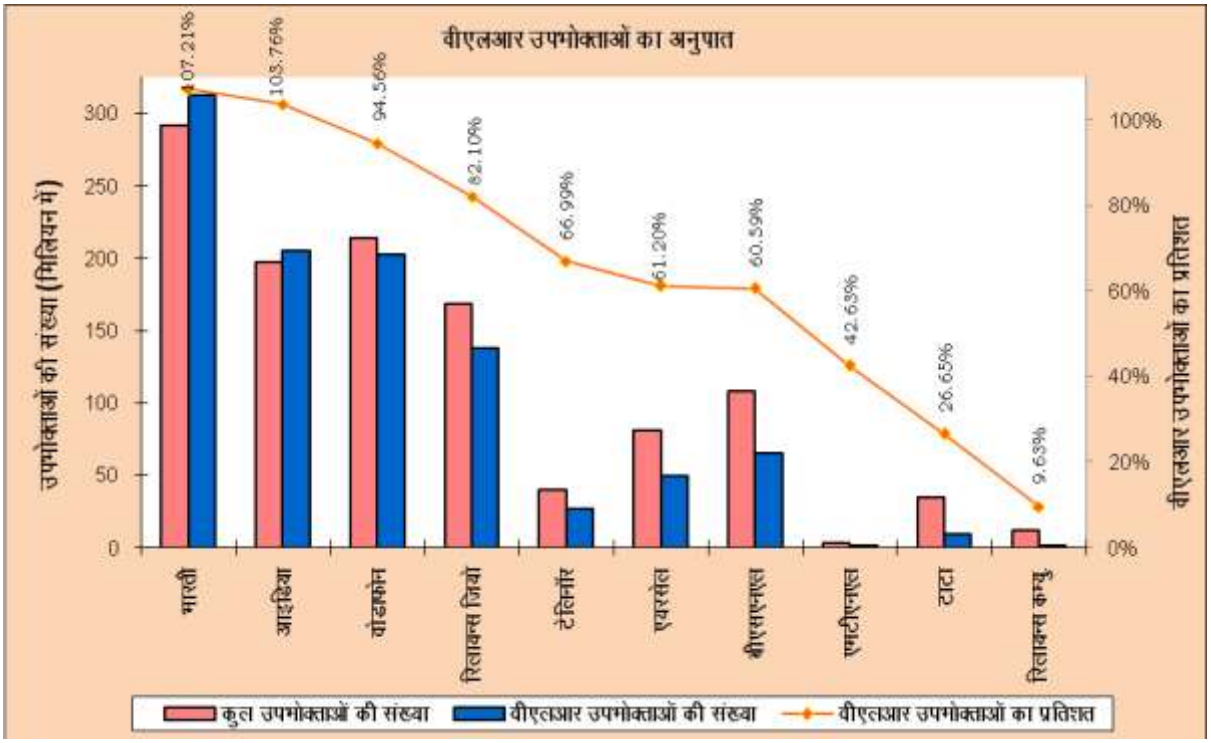

नोट : भारती एयरटेल एवं आइडिया सेल्युलर के नेटवर्क पर इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण उनके वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में अधिक रही।

जनवरी, 2018 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

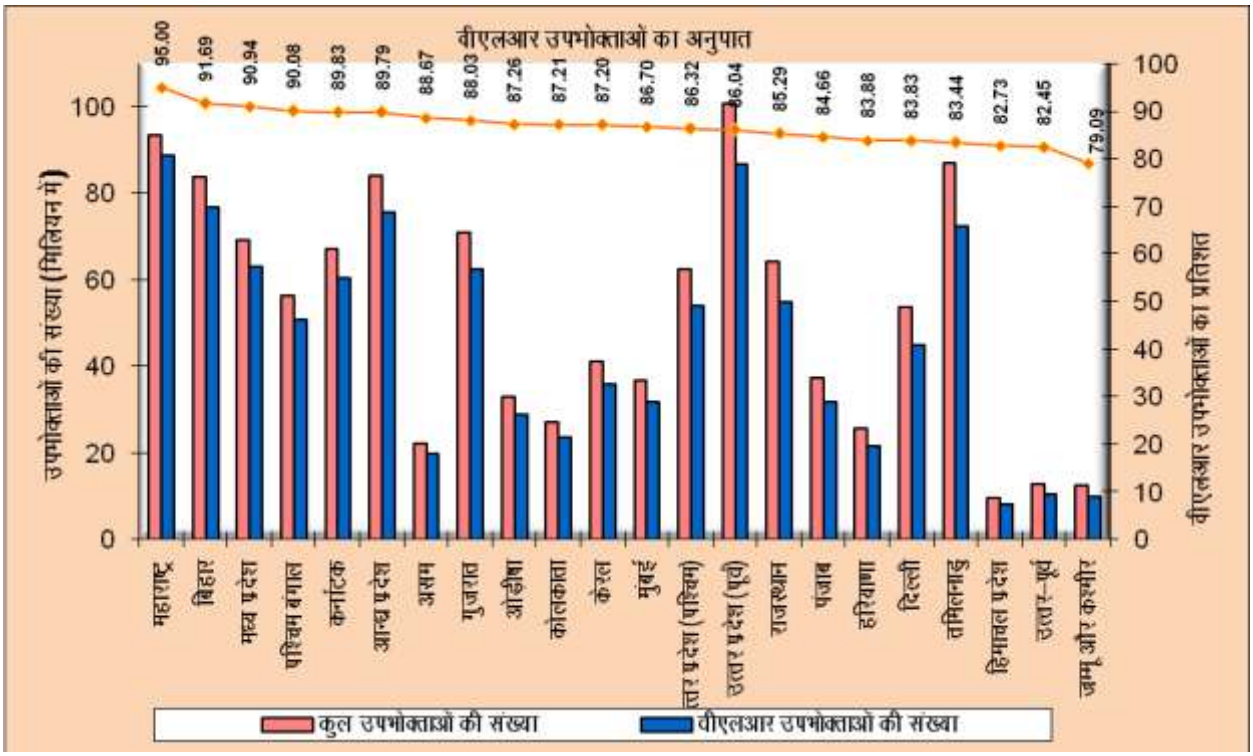

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

जनवरी, 2018 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

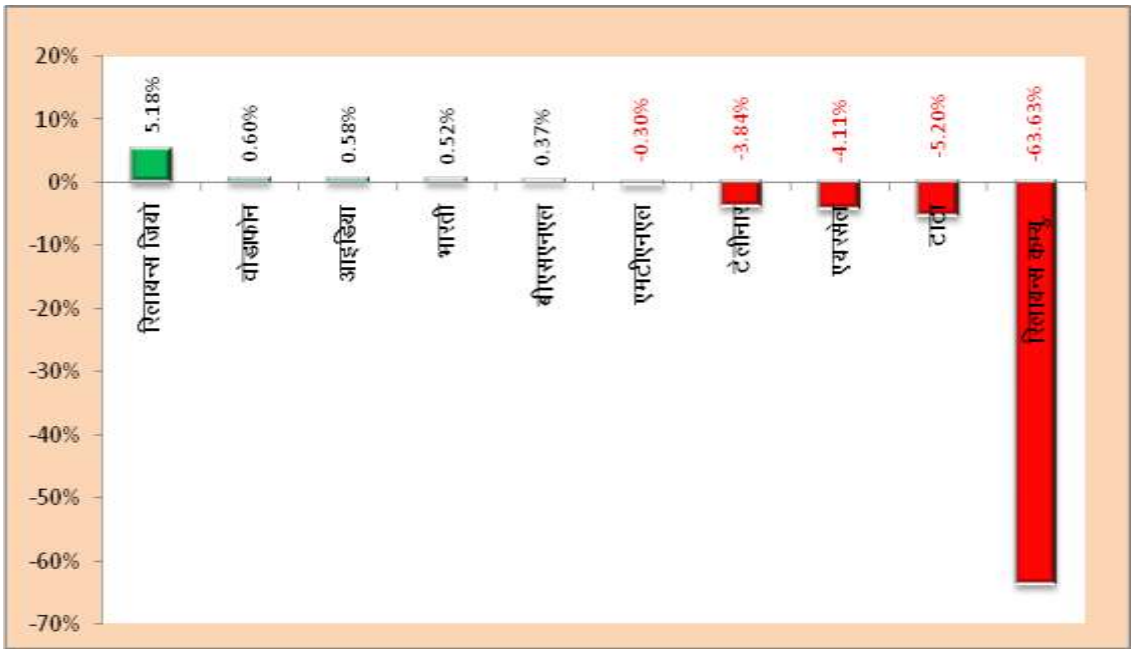

जनवरी, 2018 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

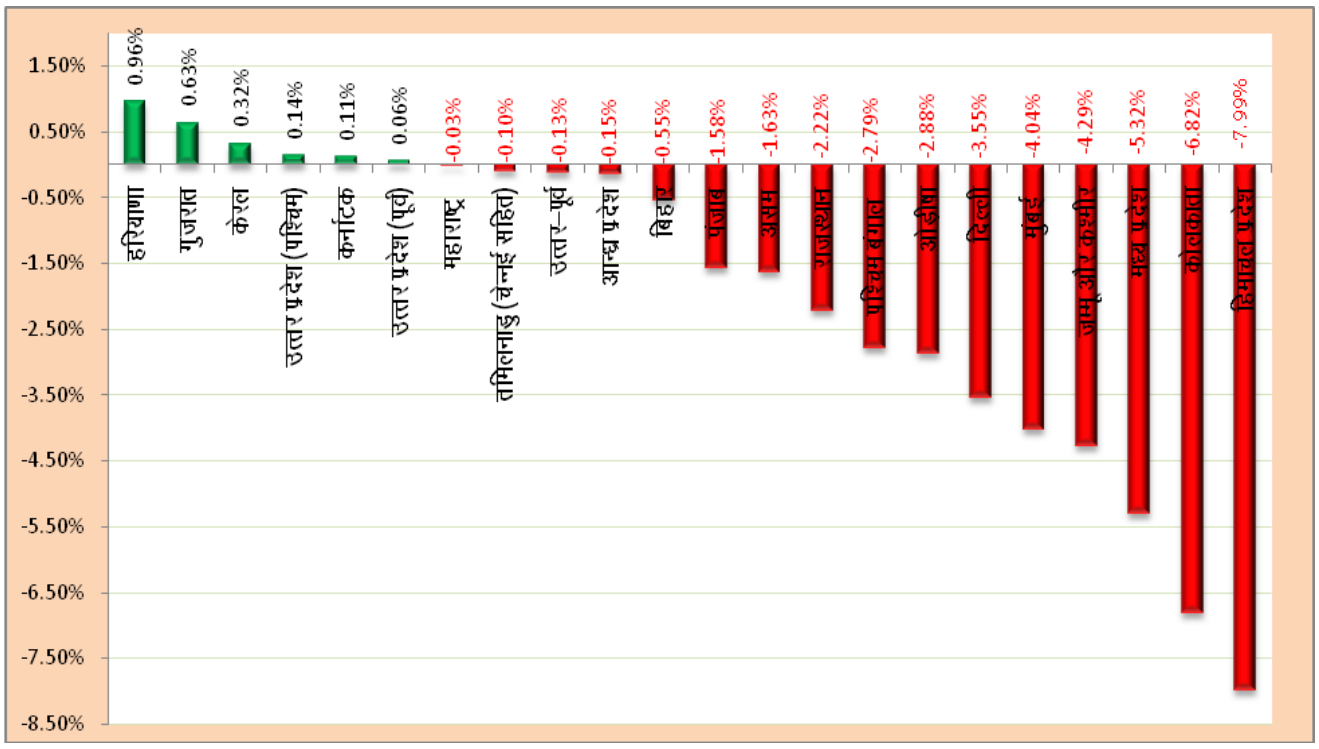

- जनवरी, 2018 के माह के दौरान केरल हरियाणा सेवा क्षेत्र में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि इसी दौरान हिमाचल प्रदेश में सेवा क्षेत्र में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक ह्रास दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- जनवरी, 2018 के माह में कुल 6.18 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथी से, संचयी एमएनपी अनुरोध दिसंबर, 2017 के अंत तक 338.41 मिलियन की तुलना में बढ़कर जनवरी, 2018 के अंत तक 344.59 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 28.69 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 24.56 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 35.27 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 30.15 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

जनवरी, 2018 के अंत तक सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध			
जोन–।		जोन–।।	
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या
दिल्ली	16,573,428	आन्ध्र प्रदेश	30,150,307
गुजरात	23,957,248	असम	2,073,172
हरियाणा	13,308,773	बिहार	12,557,058
हिमाचल प्रदेश	1,747,146	कर्नाटक	35,273,397
जम्मू और कश्मीर	378,844	केरल	8,858,141
महाराष्ट्र	24,562,226	कोलकाता	7,840,162
मुंबई	18,953,851	मध्य प्रदेश	24,443,637
पंजाब	13,230,107	उत्तर–पूर्व	688,994
राजस्थान	28,692,844	ओड़ीशा	6,748,275
उत्तर प्रदेश–पूर्व	18,395,539	तमिलनाडु	21,916,044
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	15,609,211	पश्चिम बंगाल	18,629,039
कुल	**175,409,217**	कुल	**169,178,226**
कुल (जोन–। + जोन–।।)			**344,587,443**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (जनवरी, 2018 माह में)			**6,179,052**

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या दिसंबर, 2017 के अंत तक 23.23 मिलियन से और घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 23.07 मिलियन हो गया। इस माह में 0.71 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.17 मिलियन की निवल कमी हुई। जनवरी, 2018 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 85.35 प्रतिशत तथा 14.65 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व दिसंबर, 2017 के अंत में 1.79 से घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 1.78 रह गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.81 तथा 0.38 रहा।

- जनवरी, 2018 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 67.97 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- जनवरी, 2018 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 जनवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

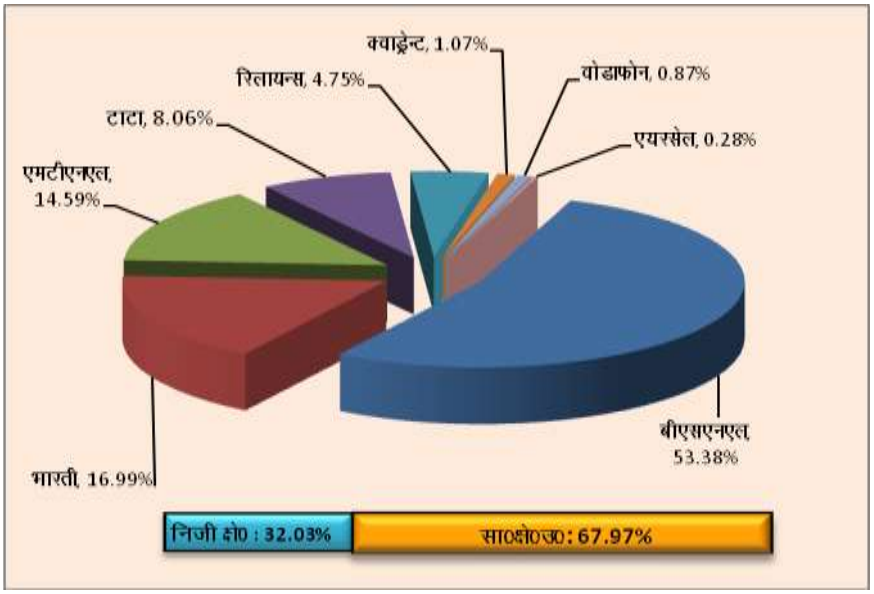

जनवरी, 2018 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

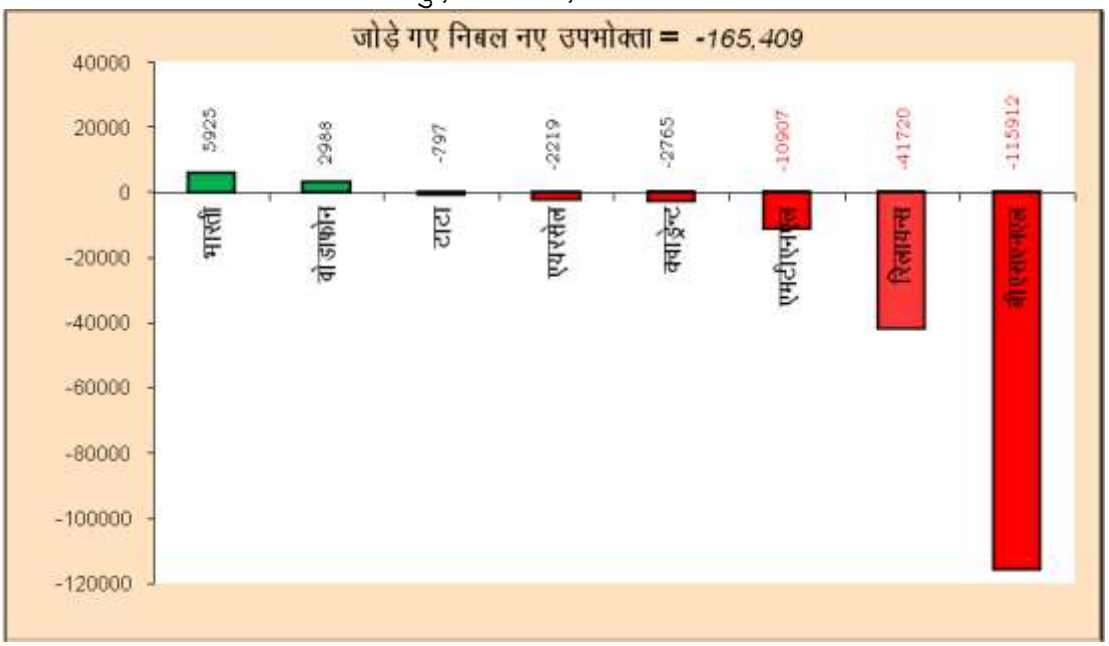

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, दिसंबर, 2017 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 362.87 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2018 के अंत में 378.10 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 4.20 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

जनवरी, 2018 माह में ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		जनवरी, 2018 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 दिसंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 जनवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन उपभोक्ताओं की संख्या	17.86	17.87	0.10
मोबाइल उपकरण उपयोगकर्ता (फोन तथा डॉन्गल)	344.57	359.80	4.42
फिक्सड वायरलैस उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.44	0.43	-1.67
कुल	**362.87**	**378.10**	**4.20**

- जनवरी, 2018 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 94.52 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (168.39 मिलियन), भारती एयरटेल (75.01 मिलियन), वोडाफोन (54.83 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (37.33 मिलियन) तथा बीएसएनएल (21.81 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया है:

दिनांक 31.01.2018 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

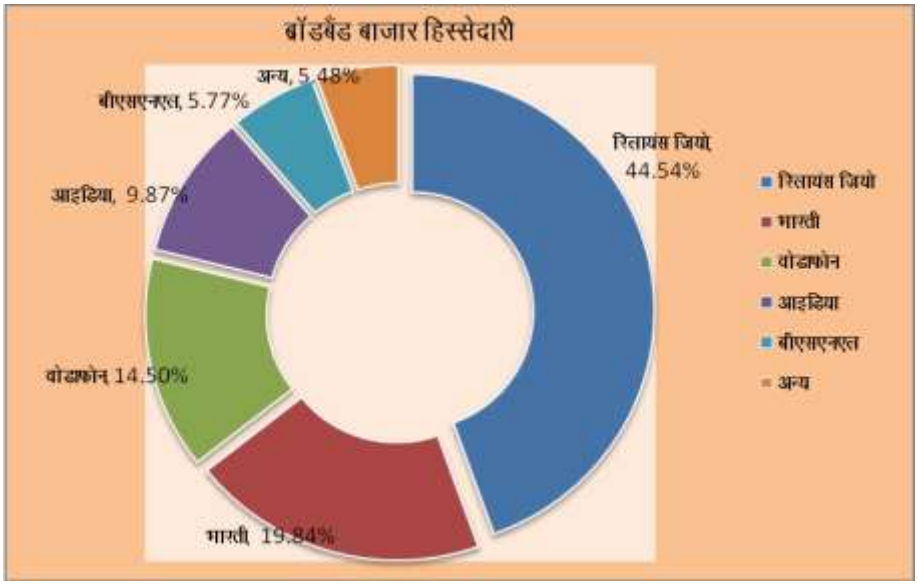

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- दिनांक 31 जनवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.33 मिलियन), भारती एयरटेल (2.16 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.29 मिलियन), एमटीएनएल (0.90 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.74 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 जनवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलैस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (168.39 मिलियन), भारती एयरटेल (72.85 मिलियन), वोडाफोन (54.82 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (37.32 मिलियन) तथा बीएसएनएल (12.48 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110 002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह											
	भारती		रिलायन्स		वोडाफोन		टाटा		आइडिया		एयरसेल	
	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018
आन्ध्र प्रदेश	27184997	27243637	747146	282891	6689828	6540448	3043823	2956652	16626241	16732811	2455229	2315578
असम	6766210	6781535	569804	43786	3787049	3787660			1151178	1156627	5892499	5840961
बिहार	31181437	31266989	1003168	107582	9550764	9605053	848179	772008	12047235	12177362	7549103	7361102
दिल्ली	12877050	13124580	4389205	1693900	11617410	11819724	1366540	1324675	6794793	6862009	6763176	6576054
गुजरात	9652110	9654665	890477	872692	20537804	20661425	1910192	1773289	13378193	13521096	0	63
हरियाणा	3943506	3958397	178794	158084	6272831	6351878	1543240	1443777	5084778	5117357	2092	0
हिमाचल प्रदेश	3361346	3456770	1031862	191102	592849	593564	22799	19608	880211	915167	496715	249378
जम्मू और कश्मीर	4084556	4092834	726412	20618	862593	846617			572422	565191	3422896	3457011
कर्नाटक	24251336	24437369	1092687	1063543	7667041	7673507	5317638	5081163	9300939	9339800	3051390	2772679
केरल	4799436	4870592	180987	149461	7877602	7893797	911955	831541	11590307	11656555	292060	241862
कोलकाता	5606347	5644255	2282737	146994	6021446	6055728	1878877	1793665	2443926	2461891	4254927	4170547
मध्य प्रदेश	15039063	15116472	6144470	1427387	6544311	6548274	3320267	3195543	26420511	26596987	552	52
महाराष्ट्र	14700063	14695353	415822	360042	20120081	20397736	3903771	3658218	28506515	28863475	1404799	604533
मुंबई	7659322	7754611	2957240	1123339	9639460	9726376	2136115	2085651	4472581	4506549	2526680	2370747
उत्तर–पूर्व	4426986	4431631	148351	0	1570490	1576256			474695	468784	3292595	3349248
ओड़ीशा	11949613	12017446	1283869	99785	4293210	4314124	1219159	1140557	1713464	1746062	4030336	3967939
पंजाब	9767310	9787421	1144604	298669	4943452	4939076	1475054	1375384	7417252	7447396	904542	821072
राजस्थान	21710763	21822760	3587447	1486119	11709525	11808027	467893	408296	7812272	7850159	6239272	6169611
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	19899546	20028886	954122	951604	16531883	16630703	2736879	2573186	5902784	5567682	20492085	20139301
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	25210561	25288013	886914	812885	22422483	22752762	2378946	2264851	11736184	11714732	6520776	6248159
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	9121232	9212063	682203	653653	12295907	12304037	2070183	1957605	16466929	16632960	566634	268618
पश्चिम बंगाल	16920289	16929555	1868028	117220	20980344	20983852	141445	127887	5704764	5742153	4776300	4518390
कुल	**290113079**	**291615834**	**33166349**	**12061356**	**212528363**	**213810624**	**36692955**	**34783556**	**196498174**	**197642805**	**84934658**	**81442905**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		1502755		-21104993		1282261		-1909399		1144631		-3491753
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*147893436*	*149298001*	*4892215*	*1794103*	*114882870*	*115620406*	*6415564*	*5808882*	*106048020*	*106186586*	*30813896*	*30051108*

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1 (निरंतर)

	सेवा प्रदाता समूह										
सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		टेलीनॉर		रिलायंस जियो		कुल		निबल वृद्धि / कमी
	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	
आन्ध्र प्रदेश	10068021	10092416			4223046	4075080	13276818	13952799	**84315149**	**84192312**	-122837
असम	1630211	1656069					2804544	2965719	**22601495**	**22232357**	-369138
बिहार	4147876	4184999			7855226	7585823	10105860	10765422	**84288848**	**83826340**	-462508
दिल्ली			2299685	2293024			9440273	9883575	**55548132**	**53577541**	-1970591
गुजरात	5544792	5634211			7132006	6835021	11546414	12087518	**70591988**	**71039980**	447992
हरियाणा	4251802	4306538					4188177	4372494	**25465220**	**25708525**	243305
हिमाचल प्रदेश	2469366	2504005					1715932	1796778	**10571080**	**9726372**	-844708
जम्मू और कश्मीर	1548957	1553874					1904180	2022972	**13122016**	**12559117**	-562899
कर्नाटक	7259286	7265239					9260031	9643863	**67200348**	**67277163**	76815
केरल	10285323	10283343					5072047	5214732	**41009717**	**41141883**	132166
कोलकाता	1301293	1334008					5278886	5478242	**29068439**	**27085330**	-1983109
मध्य प्रदेश	5827364	5910914					9802824	10416340	**73099362**	**69211969**	-3887393
महाराष्ट्र	6996873	7039426			5741125	5412303	11594705	12325133	**93383754**	**93356219**	-27535
मुंबई			1285081	1281108			7651459	7931465	**38327938**	**36779846**	-1548092
उत्तर–पूर्व	1517183	1518611					1382810	1451637	**12813110**	**12796167**	-16943
ओड़ीशा	5269814	5266457					4263579	4492062	**34023044**	**33044432**	-978612
पंजाब	5143003	5199175					7272099	7597707	**38067316**	**37465900**	-601416
राजस्थान	5504734	5560512					8776476	9241448	**65808382**	**64346932**	-1461450
तमिलनाडु(चेन्नई सहित)	9922543	9928807					10589205	11122066	**87029047**	**86942235**	-86812
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	11661212	11510334			9823240	9447236	10134487	10795225	**100774803**	**100834197**	59394
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	5832197	5831668			7136085	6947009	8153481	8602178	**62324851**	**62409791**	84940
पश्चिम बंगाल	1733481	1730836					5876955	6231921	**58001606**	**56381814**	-1619792
कुल	**107915331**	**108311442**	**3584766**	**3574132**	**41910728**	**40302472**	**160091242**	**168391296**	**1167435645**	**1151936422**	**-15499223**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		396111		-10634		-1608256		8300054	0	-15499223	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*34998327*	*35115090*	*48063*	*47924*	*11925658*	*11438006*	*41078776*	*43727373*	498996825	499087479	*90654*

अनुलग्नक–**II**

जनवरी, 2018 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	एयरसेल	भारती	बीएसएनएल	आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	टाटा	टेलीनॉर	वोडाफोन	कुल
आन्ध्र प्रदेश	55.17	107.79	71.84	107.12		21.05	77.67	13.11	64.62	89.63	**89.79**
असम	77.34	99.30	65.95	100.34		19.60	91.52			92.05	**88.67**
बिहार	71.12	100.19	63.77	102.87		25.66	94.21	15.30	73.78	95.94	**91.69**
दिल्ली	56.42	99.56		102.16	33.34	2.56	86.29	40.41		95.24	**83.83**
गुजरात	-	117.09	51.59	105.14		0.52	84.87	18.74	54.23	95.81	**88.03**
हरियाणा	-	120.84	45.06	105.21		5.08	65.97	28.63		96.84	**83.88**
हिमाचल प्रदेश	144.93	95.58	55.27	117.87		4.77	72.47	16.10		101.85	**82.73**
जम्मू और कश्मीर	57.38	99.23	59.89	105.86		0.18	78.80			90.39	**79.09**
कर्नाटक	51.05	114.22	61.24	101.68		4.84	78.98	40.68		96.81	**89.83**
केरल	67.01	108.98	69.04	101.55		6.83	68.48	18.27		98.01	**87.20**
कोलकाता	63.23	116.31	68.01	100.86		36.62	79.99	15.21		104.37	**87.21**
मध्य प्रदेश	467.31	110.89	61.45	103.51		10.57	78.85	43.46		80.40	**90.94**
महाराष्ट्र	24.62	121.20	59.53	104.81		13.76	92.50	38.95	63.47	97.94	**95.00**
मुंबई	47.99	117.30		93.81	59.26	16.45	91.43	26.15		89.31	**86.70**
उत्तर–पूर्व	59.57	98.30	70.27	101.62		-	84.00			91.12	**82.45**
ओड़ीशा	53.56	104.26	71.27	112.48		0.49	96.23	12.92		92.50	**87.26**
पंजाब	51.88	112.97	50.23	100.59		14.55	68.02	15.06		95.49	**84.66**
राजस्थान	41.70	100.14	64.75	104.16		14.63	75.23	19.23		96.81	**85.29**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	67.59	106.09	65.31	106.80		5.66	79.59	25.56		94.34	**83.44**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	57.04	107.61	47.82	106.12		10.55	88.21	10.21	70.30	94.79	**86.04**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	41.93	112.24	46.95	101.09		12.10	76.75	15.55	71.75	96.69	**86.32**
पश्चिम बंगाल	62.92	98.36	81.87	105.30		16.42	78.89	2.31		90.02	**90.08**
कुल	**61.20**	**107.21**	**60.59**	**103.76**	**42.63**	**9.63**	**82.10**	**26.65**	**66.99**	**94.56**	**87.90**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स		टाटा		क्वाडेंट		वोडाफोन		एयरसेल		कुल	
	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018	दिसंबर, 2017	जनवरी, 2018
आन्ध्र प्रदेश	1080608	1058998			164994	166960	73284	72859	174331	172249			26010	26650	5347	5312	**1524574**	**1503028**
असम	138036	136323											2700	2610			**140736**	**138933**
बिहार	251263	253850					6246	6227	12087	11404			2010	2070			**271606**	**273551**
दिल्ली			1555478	1549194	1311798	1314227	162689	160418	143514	142490			32070	31620	14909	14801	**3220458**	**3212750**
गुजरात	1041619	1041879			78553	79090	70177	69936	92421	92601			9797	9857	1063	0	**1293630**	**1293363**
हरियाणा	243,298	240,439			22559	22505	3627	3618	38414	38062							**307898**	**304624**
हिमाचल प्रदेश	121,623	119,934					3889	3864	2389	2352			60	60			**127961**	**126210**
जम्मू और कश्मीर	116,807	115,041															**116807**	**115041**
कर्नाटक	1127253	1111834			640466	642505	153214	148115	270557	270488			33625	34395	28622	32194	**2253737**	**2239531**
केरल	1882601	1872165			58236	58253	30828	25385	18799	18791			2430	2460			**1992894**	**1977054**
कोलकाता	569979	567354			122138	122368	67394	67209	50239	50668			6420	6600	2592	2568	**818762**	**816767**
मध्य प्रदेश	679047	672888			263865	261120	19335	19294	15346	15431			600	660			**978193**	**969393**
महाराष्ट्र	1283293	1270492			80552	81437	76883	74440	307763	308179			15395	15967	585	0	**1764471**	**1750515**
मुंबई			1820673	1816050	357551	357872	248775	245260	558877	559221			29582	30058	11010	7063	**3026468**	**3015524**
उत्तर–पूर्व	113002	113036											120	210			**113122**	**113246**
ओड़ीषा	260470	261738					3188	3186	8100	8270			1530	1530			**273288**	**274724**
पंजाब	483142	476204			120048	120311	18956	18781	15924	15986	250373	247608	1110	1380	30	30	**889583**	**880300**
राजस्थान	514592	508307			49915	49936	29500	18907	12652	12951			5880	5970	3551	3522	**616090**	**599593**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1565517	1541172			555742	555813	127374	116214	113535	115921			14950	15120			**2377118**	**2344240**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	365061	365435			64156	64172	33804	33791	13570	13067			9100	9160	2	2	**485693**	**485627**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	313711	310539			22568	22497	6967	6937	9593	9100			4050	4050			**356889**	**353123**
पश्चिम बंगाल	279736	277118					1862	1831	3051	3134			60	60			**284709**	**282143**
कुल	**12430658**	**12314746**	**3376151**	**3365244**	**3913141**	**3919066**	**1137992**	**1096272**	**1861162**	**1860365**	**250373**	**247608**	**197499**	**200487**	**67711**	**65492**	**23234687**	**23069280**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-115912		-10907		5925		-41720		-797		-2765		2988		-2219		-165407

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने

फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————